A
Jyoti 18/04/23

SOCIO - ECONOMIC SURVEY REPORT

VILLAGE JIWARA

SUBMITTED BY :-

NEHA
ROLL NO - 2006
CLASS - B.A 6th SEM

SUBMIT TO :-

Mrs. Jyoti

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
GOVT. COLLEGE FOR WOMEN GURAWARA
REWARI

(2022-23)

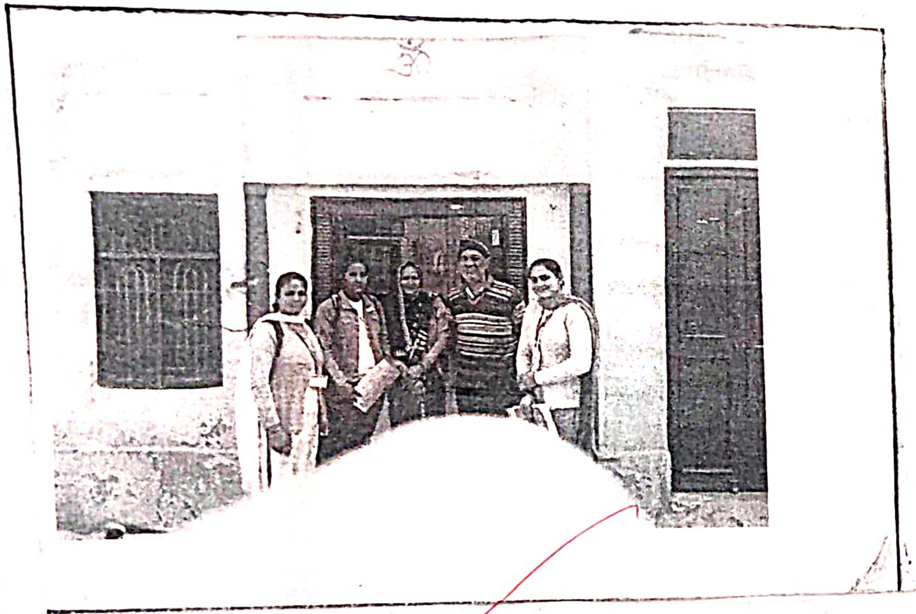

Topic No. ______ Date ______

भूगोल में सर्वेक्षण का महत्व

[Importance of Survey in Geography].

क्षेत्र - वर्णनी विज्ञानों [Chorological Sciences] में भूगोल को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इसका कारण यह है कि विषय की गहरी पकड़ के लिए विभिन्न क्षेत्रों में भौगोलिक तथ्यों का पर्यवेक्षण (Observation) को इस विषय का आवश्यक अंग माना जाता है। यूँ तो मानचित्र, इंटरनेट और कम्प्यूटर की कॉम्पैक्ट डिस्क हमे अनदेखी भूमियों और वहाँ के वातावरण की खूब जानकारियाँ देती है।

परन्तु ऐसी जानकारी सदा किताबी अथवा सैद्धान्तिक होती है। यथार्थ सूचनाएँ तो हमे क्षेत्र का भ्रमण करने से ही प्राप्त होती है। क्योंकि भूगोलवेत्ता के लिए सम्पूर्ण पृथ्वी करने से ही प्राप्त होती है। क्योंकि भूगोलवेत्ता के लिए सम्पूर्ण पृथ्वी एक प्रयोगशाला है। जहाँ वह तथ्यों का निरीक्षण फिर परीक्षण और अन्त में सत्यापन करता है। वॉन थ्यूनेन [VON Thunen] का कृषि अवस्थिति सिद्धान्त एक फार्म मैनेजर के रूप में लगभग 40 वर्षों के पर्यवेक्षण का परिमाण था। आरम्भ से ही भूगोलवेत्ताओं ने घूम-घूमकर भूगोल के ज्ञान को समृद्ध किया है। जब तक हम विभिन्न क्षेत्रों में नहीं जाएँगे, तब तक हमें क्षेत्रीय विभिन्नताओं और उनमे निहित समानताओं के दर्शन कैसे हो पाएँगे?

हमे कैसे पता चलेगा कि भौतिक शक्तियाँ मानव - विकास को किस प्रकार नियंत्रित और प्रभावित करती है। तथा मानव की इनके प्रति नियंत्रित और प्रभावित करती है। तथा मानव ही इनके प्रति अनुक्रिया क्या है? तभी तो 'मानव भूगोल के पिता' माने जाने वाले "फ्रेडरिक रेटजेल" ने लिखा है। "I travelled, I sketched, I describe ...... nature".

भूगोल मे क्षेत्रीय कार्य के इसी महत्व को प्रो० फेयरग्रीव ने अत्यंत सटीक शब्दों में व्यक्त किया है। "जूतों की तलियाँ घिसकर ही भूगोल का ज्ञान प्राप्त होता है।

["Geography Comes through the Sole of one shoes."]

यह सत्य है कि भूगोल ["यात्रा करने और स्वयं अपनी आँखो से देखने का विषय है"], लेकिन अपने सीमित संसाधनों के द्वारा हम सारे विश्व का भ्रमण भी तो नही कर सकते। इसलिए यह आवश्यक है कि भूगोल का छात्र एक या दो स्थानीय क्षेत्रों का सर्वेक्षण कार्य करके ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त कर ले। जिससे वह आने वाले समय मे कुछ आधारभूत सिद्धान्तों का प्रयोग उन क्षेत्रों के भौगोलिक अध्ययन नही कर पाता।

किसी क्षेत्र के भौतिक और सांस्कृतिक भू-दृश्यों के सूक्ष्म अवलोकन की कला धैर्य कुशलता और लंबे अनुभव के बाद ही प्राप्त हो पाते है।

इस कला के विकास के लिए अपने अंदर एक भौगोलिक दृष्टिकोण और अभिविन्यास (Attitude) पैदा करना होता है, तभी मानव और पर्यावरण के बीच गहरे संबंध को जाना जा सकता है।

क्षेत्र अध्ययन / सर्वेक्षण की योजना बनाना

समय, संसाधन और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम क्षेत्र का चुनाव बड़े ध्यान से करना चाहिए। क्योंकि क्षेत्र के चुनाव पर ही सर्वेक्षण की सफलता निर्भर करती है। चयन किए गए क्षेत्र में जाने से पहले वहाँ के सभी पहलुओं का विस्तारपूर्वक अध्ययन आवश्यक है। उस क्षेत्र का उच्चावच, का विस्तारपूर्वक अध्ययन आवश्यक है। उस क्षेत्र का उच्चावच, भूमि-उपयोग, जल-प्रवाह, जलवायु, वनस्पति, कृषि, अधिवासों व परिवहन तथा संचार की सुविधाओं का ज्ञान वहाँ के स्थलाकृत मानचित्रों या अन्य स्त्रोतों से प्राप्त कर पाता है अतः हमें समान दशाओं वाले एक विस्तृत क्षेत्र में से एक सीमित क्षेत्र का सर्वेक्षण करना चाहिए जिसे सफल सर्वेक्षण कहा जाता है।

उदा० क्षेत्र के सभी 5,000 घरों व 100 दुकानों का सर्वेक्षण किए, कर ले तो हम 20% अर्थात 1000 घरों व 20 दुकानों का सर्वेक्षण कर ले। तो परिमाण लगभग वही आते हैं। सर्वेक्षण किए जाने वाले क्षेत्र का आधार मानचित्र तैयार करना अति आवश्यक है क्योंकि एकत्रित की गई विभिन्न सूचनाओं को क्षेत्र के

मानचित्र पर ही प्रदर्शित किया जाता है। क्षेत्र में जाने से पहले एक विशद प्रश्नावली तैयार कर लेनी चाहिए ताकि बेकार के प्रश्नों व अनावश्यक सूचनाओं में अपना और दूसरों का समय नष्ट न हो। अध्यापक कक्षा के विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटने के बाद सर्वेक्षण के दौरान आचरण, अनुशासन और व्यवहार के संबंध में हिदायतें दें। क्षेत्र में यदि कोई संपर्क व्यक्ति मिल जाए तो सर्वेक्षण आसान हो जाता है।

क्षेत्र का स्केच बनाना।

[Making sketch of Area]

सर्वेक्षण कार्य करने से पूर्व दिए गए क्षेत्र का एक कच्चा खाका या रेखाचित्र बना लेना चाहिए। इस खाके में वे सभी विवरण [जैसे क्षेत्र की सीमाएँ मार्ग मार्ग, खेत, मैदान, पूजा स्थल, सड़क भवन इत्यादि] तथा बिंदुओं की अनुमति स्थितियाँ अंकित होनी चाहिए, जिन्हें मानचित्र पर दिखाया जाना है। कच्चा खाका बनाने का उद्देश्य यह होता है कि उसे देखकर किसी बिन्दु की उस क्षेत्र में स्थिति पहचानी जा सकती है ध्यान रहे कि स्केच या खाका किसी क्षेत्र का एक रफ प्लान मात्र होता है। इसमें मापनी (scale) का प्रयोग नहीं किया जाता। सर्वेक्षण के बाद जब मानचित्र बनाया जाता है तब मापनी का प्रयोग किया जाता है।

Topic No.

Date

रेखाचित्र बड़े व स्पष्ट हो छोटे क्षेत्रों के बड़े रेखाचित्र लक्षणों को समझाने की सहायता करते है क्षेत्र के विशिष्ट लक्षणों को उपयुक्त चिह्नों द्वारा प्रदर्शित किया जाना चाहिए। लक्षणों को और अधिक स्पष्ट करने के लिए उपयोगित टिप्पणियां भी लिखी जा सकती है।

×

LOCATION MAP OF JIWARA VILLAGE (REWARI)

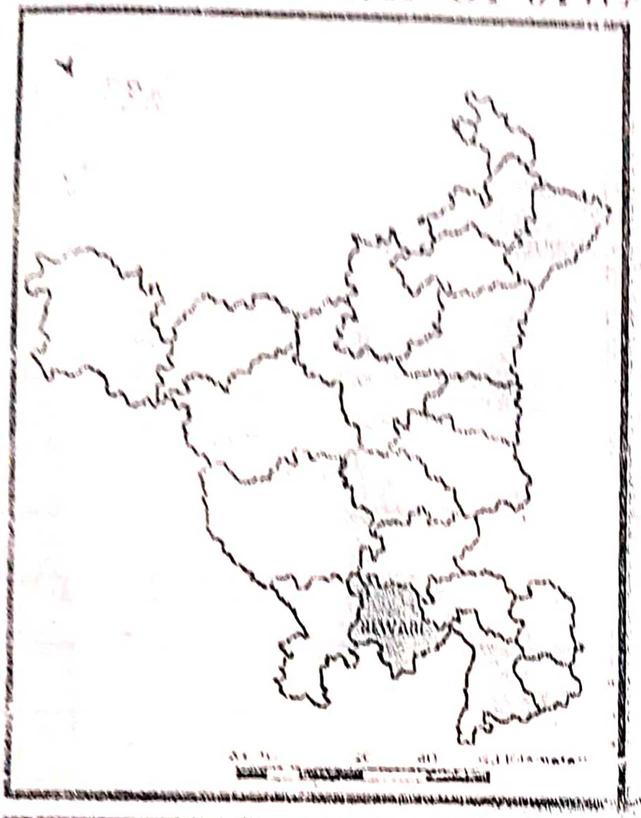

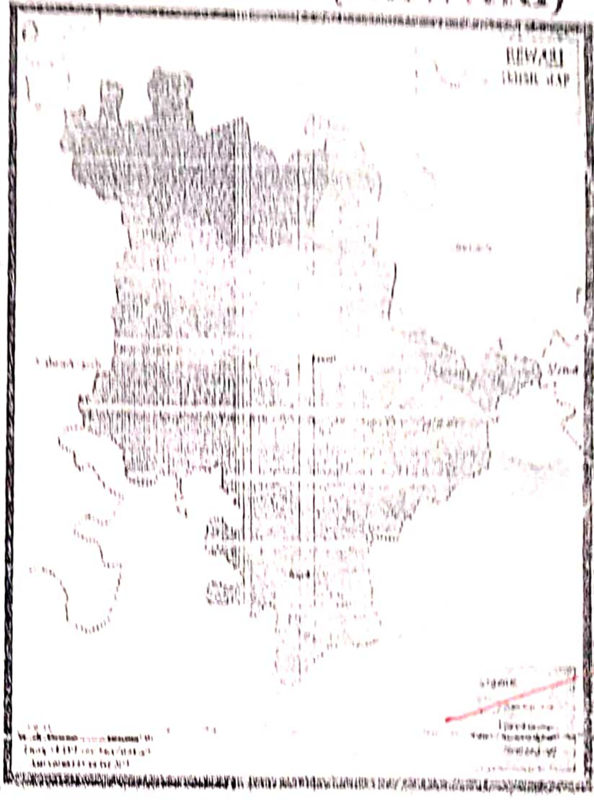

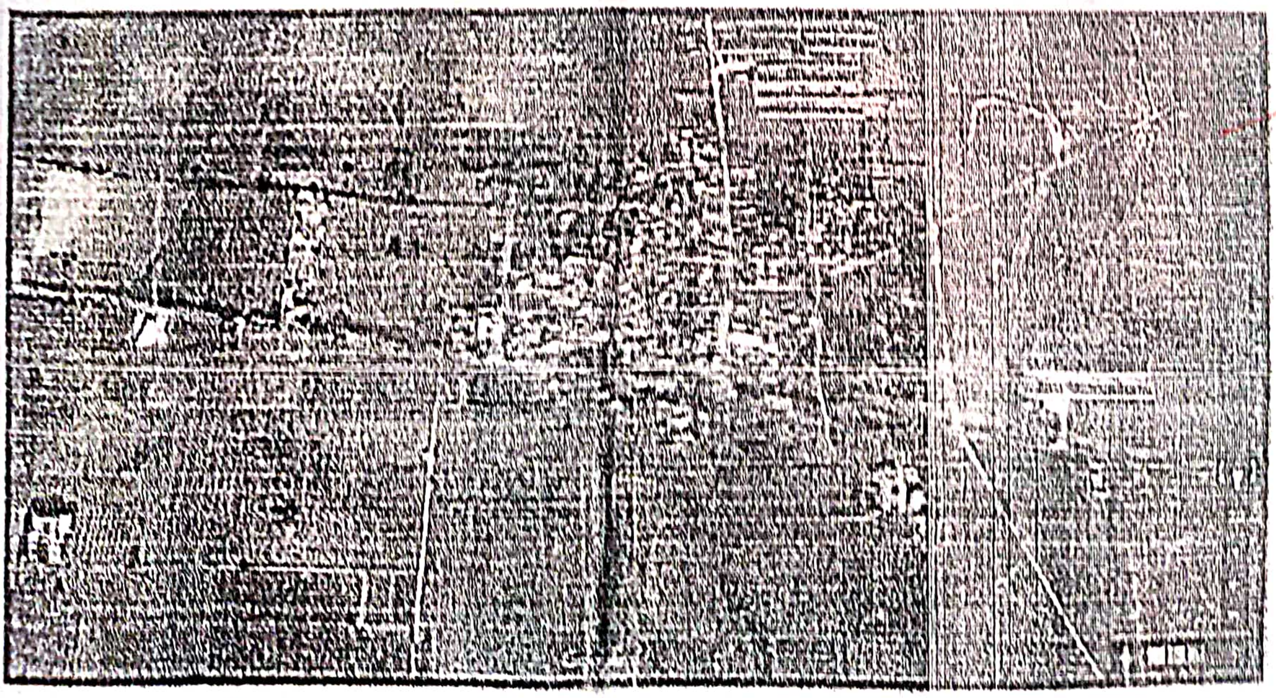

Page No.

Topic No. Date

Introduction Of Socio-Economic Survey

विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सामाजिक व्यवस्था तथा उनकी आर्थिक स्थिति भिन्न होती है। लोगों के जीवन को निकट से देखने के लिए इन दो पहलुओं के संबंध में जानकारी एकत्रित करना अति आवश्यक है। जो क्षेत्रीय सर्वेक्षण पर आधारित होता है। अतः क्षेत्रीय कार्य भूगोल के अध्ययन का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। आरंभ से ही भूगोलवेत्ताओं में पृथ्वी के विभिन्न भागों के प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक पर्यावरण का अध्ययन सर्वेक्षण द्वारा ही किया जाता है। भूगोल का सही अध्ययन अमूर्त क्षेत्र में जाकर ही होता है। क्योंकि जब हम स्वयं किसी कार्य को सही करके ज्ञान प्राप्त करते हैं, तो वह सदा के लिए हमारे मस्तिष्क में अंकित हो जाता है। अंग्रेजी में कहावत है। कि —

"I read, I forget, I see, I remember, I do, I understand." अर्थात यदि हम केवल पुस्तकों को पढ़ते हैं तो हम जल्दी ही पढ़ा हुआ भूल जाते हैं। यदि हम किसी वस्तु को वास्तविक रूप में देखते हैं तो वह हमे याद रहती है। परन्तु यदि हम स्वयं करते हैं तो उसकी सही समझ हो जाती है।

जेम्स फ्रेसर ग्रीव के अनुसार, "भूगोल का ज्ञान जूतों के तले ही प्राप्त किया जा सकता है।"

Topic No. ______ Date ______

Stages of field Work And Survey Process

सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की संपूर्ण क्रिया के आधार पर हम इसे पाँच भागों में विभाजित करते हैं।

(i) प्रांरभिक चरण
(ii) क्रियान्वयन चरण
(iii) परिगणन चरण
(iv) मानचित्रण चरण
(v) रिपोर्ट चरण

(i) **प्रांरभिक चरण:-** सबसे पहले क्षेत्र और विषय का चुनाव आवश्यक है। क्षेत्र के आधार पर मानचित्र की कई प्रतिलिपियाँ बनाने के बाद यह तय करना होता है कि हमें कौन-कौन सी सूचनाएं और आकड़े प्राप्त करते हैं। इसके लिए स्पष्ट और विस्तृत प्रश्नावली तैयार कर लेनी चाहिए। आँकड़ो को किन सांख्यिकी आरेखों और मानचित्र विधियों द्वारा प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि सर्वेक्षण कितने समय में पूरा करके रिपोर्ट करनी है। इस पर भी विचार कर लेना आवश्यक है।

(ii) **क्रियान्वयन चरण:-** इस चरण में योजनाबद्ध ढंग से प्राथमिक व द्वितियक स्त्रोतों से सूचनाएँ प्राप्त करके सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार करते समय कोई कठिनाई न हो।

Page No. ______

Topic No. ______ Date ______

(iii) **परिगणन चरण :-** सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त सूचनाओं की विभिन्न तालिकाएँ बनाई जाती है ताकि सर्वेक्षण की शीट तैयार की जाए।

(iv) **मानचित्रण चरण :-** इस चरण में एकत्रित किए गए आँकड़ों को आरेखों, रेखाचित्र की सहायता से प्रदर्शित किया जाता है।

(v) **रिपोर्ट चरण :-** सर्वेक्षण के अन्य सभी चरण पूर्ण कर लेने के बाद किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट लिखी जाती है। सामान्यतः सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट निम्न शीर्षकों के आधार पर लिखी जाती है।

i) सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का परिचय।
ii) सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का महत्व।
iii) सामाजिक आर्थिक नियोजन करना।
iv) सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के विभिन्न चरण।
v) सामाजिक आर्थिक नियोजन करना।
vi) अध्ययन क्षेत्र की स्थिति एवं चुनाव
vii) आँकड़ा आधार एवं संकलन
viii) प्रश्नावली अथवा अनुसूची का खाका तैयार करना।
ix) आँकड़ों का विश्लेषण
x) सामाजिक आर्थिक सुझाव/ समस्याएँ।
xi) समस्याओं के प्रति सुझाव।

Page No. ________

Topic No. ________ Date ________

Outline of field Work and Socio-Economic Survey

सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की सम्पूर्ण किया के आधार पर हम मुख्यतः भौतिक आँकड़े, आर्थिक भौतिक आँकड़े, आर्थिक आँकड़े तथा अन्य सम्बन्धित सामग्री एकत्रित करते हैं। यह सामग्री क्षेत्र में जाकर मानचित्र मे अंकित की जा सकती है यहाँ इसे तालिका के रूप में एकत्रित किया जा सकता है क्षेत्रीय सर्वेक्षण आरम्भ करने से पहले क्षेत्र तथा उससे संबंधित विषय का चयन करना चाहिए क्षेत्र का आधार मानचित्र की पहली आवश्यकता है किसी क्षेत्र से सम्बन्धित सूचना से आधार मानचित्र पर अंकित की जाती है। इसलिए हमे प्राय आधार मानचित्र की कई प्रतियो की आवश्यकता पडती है कई बार मानचित्र को अधिक समझने के लिए स्थलाकृत मानचित्र की आवश्यकता पडती है इसकी सहायता से हम धरातल जल प्रवाह भूमि उपयोग बस्तियों का आकार एवं कर्म परिवहन तथा संचार आदि का पता लगा सकते हैं प्राय पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण किया जाता है उदा॰ यदि हमे किसी गाँव का सर्वेक्षण करना है और उसमे हजार घर हैं तो हम सर्वेक्षण के लिए गाँव के विभिन्न भागों मे 100 से 200 घरो को ही चुन सकते हैं ऐसी विधि को Sample सर्वेक्षण कहते हैं। तालिका कि रूपरेखा तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि उसमे हमारे सर्वेक्षण से सम्बन्धित अधिक से अधिक लाभप्रद सूचना एकत्रित की जा सके।

Topic No.................... Date ....

Tally Bars Method

सबसे पहले हमनें सर्वे किए गए 215 फार्म लिखे। इसके बाद विद्यार्थियों को अलग - अलग समूह में बाँट दिया। इसके बाद सभी सूचनाओं को मिलान - चिह्न विधी द्वारा विभिन्न आकड़ो में बदला जैसा कि चित्र मे दिखाया गया है।

Tally bars Method प्रश्नावली के आधार पर सूचनाओं को मिलान विधी द्वारा विभिन्न बहुविकल्पों के प्रश्नों तथा क्रम मापक के प्रश्नों के उत्तर देने वालों की गणना अगर गुणात्मक मे है तो इनको आँकड़ो के रूप मे बदलने के लिए मिलान विधी सबसे उपयुक्त होती है। छात्राओं द्वारा भरे गए 215 फार्मों की सभी सूचनाओं को मिलान चिह्न विधी के द्वारा विभिन्न आकड़ो मे बदला जैसा कि Table - 1 में दिखाया गया है।

Tabulation Method

सर्वेक्षण की सूचनाओं को आकड़ों मे बदलने के लिए हमने सारणीय विधी का भी प्रयोग किया है इस विधी के द्वारा गुणात्मक व मात्रात्मक दोनो प्रकार के आकड़ो की गणना की जा सकती है। इस विधी मे निष्कर्षों की विशेषताओं अथवा गुणों की आवृत्ति के आधार पर एक सारणी बनाई गई है।

उपरोक्त सभी विधि से प्राप्त आँकड़ो को हमने % में अंकित किया है। और उनको उचित Diagram द्वारा दर्शाया है।

Page No.
Topic No.
Date

Study Area

जीवडा गाँव का सर्वेक्षण करने पर हमे पता चला कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग न० - 71 पर 2 km दूर पटौदी रोड पर स्थित है। हमने 215 घरों का सर्वेक्षण किया है जिसका वर्णन इस प्रकार है।

Analysis of data and Interpretation

हमने जीवडा गाँव के 215 घरों का सर्वेक्षण किया जो कि सैंपल विधि के द्वारा कुल घरों के 75% के लगभग है। सर्वेक्षित घरों कि कुल जनसंख्या 1159 व्यक्ति है। जिसमें 603 पुरुष है जो कि कुल का 52.12% है और स्त्रियाँ 556 है जो कुल का 47.97% है।

जीवडा गाँव के सामाजिक आर्थिक स्तरों को जानने के लिए निम्नलिखित सूचनाएँ एकत्रित की गई है। जिनका विश्लेषण किया गया है।

To fill Questionnaire

Topic No.________ Page No.________ Date________

Methodology and data base

जीवड़ा एक मध्यम आकार का गाँव है जिसमे लगभग 350 घर है। सभी घरो का सर्वेक्षण करना संभव नही था। इसलिए हमे 75% घरो का ही सर्वेक्षण किया। इसके बाद क्षेत्र का आधार मानचित्र ज्ञात किया क्योंकि इसी के आधार पर सभी सूचनाएँ एकत्रित प्रदर्शित करनी पड़ती है। जिसमे सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार की सूचनाए एकत्रित की। किसी क्षेत्रीय कार्य अथवा अन्वेषण की सफलता प्रश्नावली पर निर्भर करती है। एक अच्छी प्रश्नावली सूचनादाता से अपनी सूचनाए प्राप्त करती है।

जबकि एक भ्रम मे डालने वाली संख्या को आश्वस्त कर देती है। जब तक हो सके प्रश्न ऐसे बनाने चाहिए जिनका जवाब हाँ या ना हो। प्रश्नावली मे बहु विकल्प प्रश्न विशिष्ट जानकारी देने वाले को हम खासकर प्रश्नावली दे सकते है। जब प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष मौखिक जाँच संवाददाताओं से प्राप्त डाक परिगणन विधि इत्यादि का सहारा ले सकते है। हमने इसमें व्यक्तिगत, साक्षात्कार नामक विधि का प्रयोग किया है। क्षेत्र सर्वेक्षण से प्राप्त परिमाण तभी प्राप्त किया जा सकता है जब आँकड़ो का सही रूप से अव्यवस्थितकरण या विश्लेषण किया जाए। हमने जीवड़ा गाँव के सामाजिक आर्थिक विश्लेषण विधियाँ अपनाई है।

House Hold Size

Sample के आधार पर हमे 75% घरों का सर्वेक्षण किया है जिसमें प्रत्येक घरो मे रहने वाले लोगो की जनसंख्या के आधार पर House hold size जानने का प्रयास किया है जिसको Fig:-1 के माध्यम से दर्शाया गया है। House hold Size को 3 भागों मे बाँटा गया है। जिससे हमे यह पता चलता है कि संख्या 9 से अधिक है। इसी प्रकार 6-9 संख्या वाले परिवारो की संख्या सबसे अधिक 110 जबकि 5 से कम संख्या के परिवार 90 है। अतः इन आकडो के माध्यम से यह निष्कर्ष निकलता है कि लोग पति-पत्नियों तथा बच्चों के रूप मे ही परिवार को पसंद करते है। इसी कारण एकल परिवार की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिसमे लोग संयुक्त परिवार के महत्व को त्याग ते जा रहे है। अगर हम types of family के आँकडे को देखे तो 105 एकल परिवार है जो कि लगभग समान है। इस आधार पर हम HOUSE HOLD SIZE तथा TYPE OF FAMILY के आँकडों को संयुक्त रूप से विश्लेषण करें तो हम देखते है कि संयुक्त परिवार एकल परिवार मे तब्दील होते जा रहे है। लोगो की आवश्यकताए व आजीविका के साधन से दूर जाना इस प्रकार के परिवर्तनो के मूल कारण रहे है।

VILLAGE

GIWARA

HOUSE HOLD TYPE

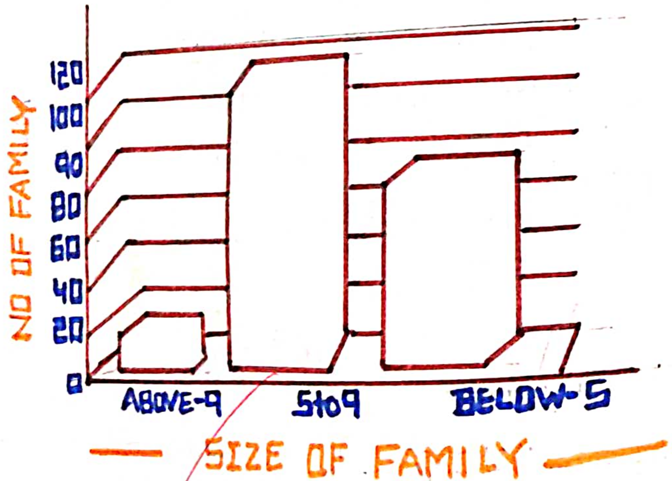

Figure :- 01
No

House Hold Type

सर्वेक्षण के द्वारा हमने House Hold Types में गाँव के लोगों का व्यवसाय को दर्शाया है कि गाँव जीवड़ा के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती है। यहाँ पर 72 परिवार कृषि पर निर्भर है। इसके अलावा 23 परिवार कुछ दुकानदार व कुछ ड्राइवर है। 29 परिवार मजदूरी करके अपना भरण-पोषण करते है। 36 परिवार सहकारी क्षेत्र में है। 25 परिवार प्राइवेट कम्पनी में है। 4.65% अन्य क्षेत्र में कार्यरत है इससे पता चलता है कि जीवड़ा एक कृषि-प्रधान गाँव है।

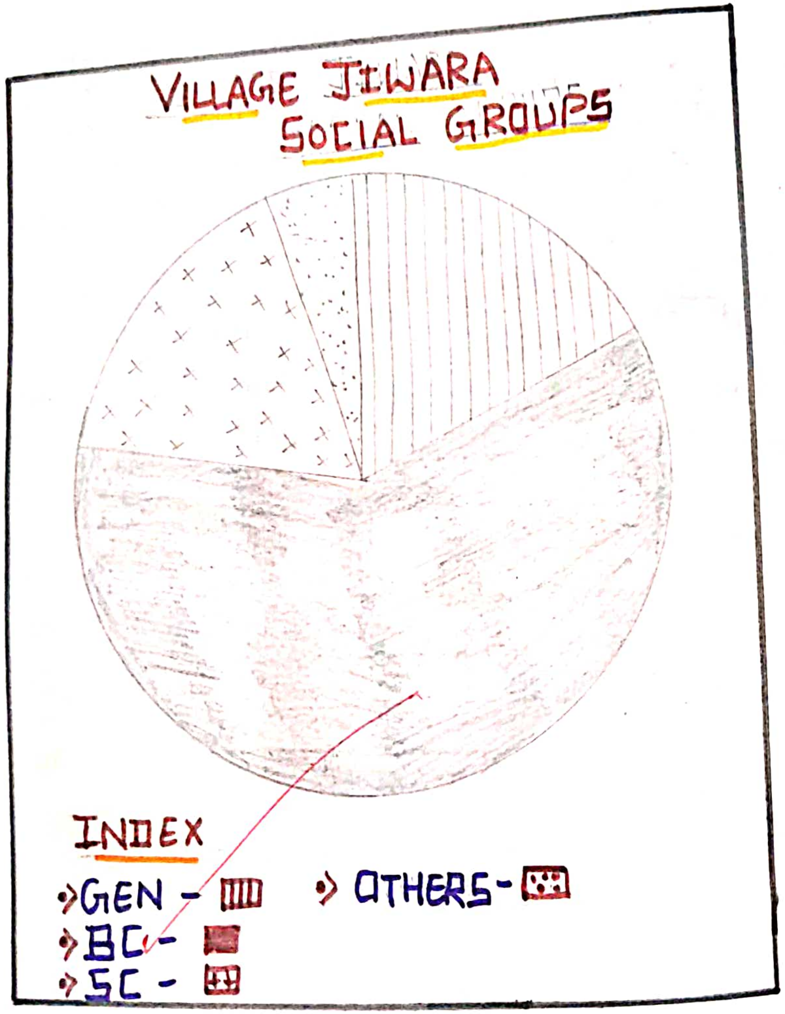

Figure No:-03

Topic No.

Page No.

Date

Social Group....

गाँव जीवड़ा में सर्वेक्षण के द्वारा विभिन्न जातियों के आंकड़े प्राप्त किए गए। जिसमें पता चलता है कि गाँव में सभी प्रकार की जातियाँ निवास करती है। जिसमें अहीर जाति के परिवारों की संख्या सबसे अधिक है, जो कि कुल जनसंख्या का 60.46% है। इस के बाद दूसरे स्थान पर सामान्य जाति के परिवार है ~~जो कि कुल~~ जिसमे 40 परिवार है। जो कि कुल जनसंख्या का 18.60% है। तथा दूसरे स्थान पर अनुसूचित जाति के परिवार है जिनकी संख्या 35 है। अन्य जातियों में 10 परिवार ही है। जो 4.66% है। यहाँ कोई भी परिवार ऐसा नही है। जो कहीं बाहर से आकर बसे है।

सभी लोग पक्के मकान मे रहते हैं जिसके आधार पर हम कह सकते है। कि यहां के लोगों की स्थिति मजबूत है।

Village Jiwara
Household Type

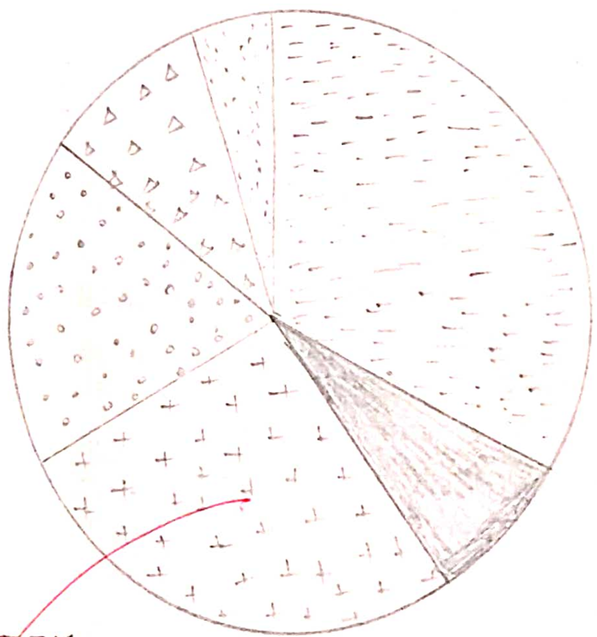

fig:-04

Topic No.

Date

Annual Income

सर्वेक्षण के दौरान इन परिवारों से उनकी आय से संबंधित आँकड़ो का संकलन किया। जिसमें हम आधिकतम व न्यूनतम आय को जान सके आधिकतर परिवार ऐसे है जिनकी आय 50 हजार सालाना से भी कम है। इस वर्ग में 34.88 % परिवार आते है। दूसरे स्थान पर 50,000 से एक लाख तक वार्षिक आय वर्ग आते है। तीसरे स्थान पर 2 लाख से अधिक आय वाले परिवार आते है जिनका प्रतिशत 18.60% है। तथा सबसे कम एक लाख से 2 लाख के बीच का वर्ग है। जो 13.95% है। आकड़ो के माध्यम से पता चलता है कि आधिकतर लोग 50,000 से कम सालाना कमाई पर ही गुजारा कर रहे है। इस वर्ग में आधिक परिवार शामिल है। जो कृषि पर निर्भर है। तथा जिनके पास आय का कोई दूसरा साधन नहीं है वे तो 25,000 से भी कम आय पर गुजारा करते है। जिनके पास कमाई का कोई साधन नहीं है।

Age Wise PoPulation

जीवडा गाँव के सर्वेक्षण के बाद गाँव की जनसंख्या को आयु वर्ग में बाटकर आयु के अनुसार जनसंख्या निर्धारित की गई जिसमें आयु वर्ग को 7 भागों में बाँटा गया जो 20 से कम से लेकर 70 से अधिक तक तय किया गया इन घरों में 1159 लोग रहते हैं। इनमें 20 से कम आयु वर्ग में 30.71% (प्रतिशत) लोग रहते हैं। तथा 20 से 30 आयु वर्ग में 17.42% लोग आते हैं 30 से 40 आयु वर्ग में 17.08% लोग आते हैं 40 से 50 आयु वर्ग में 13.71% लोग आते हैं जबकि 50 से 60 आयु वर्ग में 60.59% लोग आते हैं और 60 से 70 में 7.16% लोग आते हैं। वह 70 से अधिक आयु वर्ग में 6.29% जनसंख्या आती है। उपर्युक्त आंकड़ा से हमें पता चलता है कि 20 से कम आयु में सबसे अधिक जनसंख्या मिलती है।

Topic No.________ Date ________

Types of family...

गाँव जीवड़ा में 350 के करीब परिवार रहते है। जिसमें हमने 215 परिवारो का सर्वेक्षण करने पर पता लगा कि यहा 105 परिवार (48.83%) एकल परिवार के रूप में रहते है। आकड़ो के माध्यम से पता चलता है कि यहा के लोग संयुक्त परिवार को महत्व देते है। क्योंकि 110 (51.26%) परिवार संयुक्त परिवार के रूप मे रहते है।

Sex-Wise Population...

जीवड़ा गाँव का 215 घरो का ही लिंगानुपात दर्शाया गया है। इन घरो की कुल जनसंख्या 1159 है जिसमें 603 पुरूष जबकि 556 स्त्री की जनसंख्या। का प्रतिशत 51.12 तथा स्त्रियों की जनसंख्या का 47.94 है। पुरूषों की संख्या स्त्रियों की संख्या से अधिक है। जो यह दर्शाता है कि लिंगानुपात का स्तर घट रहा है। जिस पर हमारे समाज और सरकार को उल्लेखनीय कदम उठाने चाहिए।

EDUCATON LEVEL OF POPULATION			
SR. NO	Education	No. of Periods	%
1	Above B.A.	75	6.66%
2	10th - BA	31.6	28.80
3	5th – 10th	377	33.5
4	Below 5th	172	12.62
5	Illetrate	219	19.11
		1159	100%

Available Ammilies in Household

हमने इन सारे घरों मे पाई जाने वाली सुविधाओं के आधार पर आँकड़े प्राप्त किए। जिससे अवगत हुआ कि गाँव जीवडा में पानी सप्लाई 98.60% घरों मे है। तीन परिवार कोमन नल का प्रयोग करते है। इसके बाद हमने बिजली सर्वेक्षण किया जिससे ज्ञात हुआ कि 210 परिवार में बिजली उपलब्ध है। जो 97.67% है जबकि शौचालय की संख्या 205 परिवार है। यानि 95.34% है जबकि शौचालय की संख्या 205 परिवार है। यानि 95.34% है। फोन प्रत्येक परिवार में उपलब्ध है। जबकि Internet 95 परिवार मे ही है। जिसका 44.13% है। T.V. 180 families मे है। तथा ईंधन 206 परिवारों मे है। यातायात 168 परिवारों मे है।

AVAILABLE ANIMITES IN HOUSEHOLD

SR.No	Available Animites	No. of family	%
1	water	212	98.60
2	Electricity	210	97.67
3	Toilet	205	95.34
4	Phone	215	100
5	Internet	95	44.18
6	Television	180	83.72
7	Cooking fuel	206	95.81
8	Transport	168	78.13

Topic No.________ Date ________ Page No. ________

Problems Of Soci - Economic Survey

सर्वेक्षण करते समय हम गाँव की अनेक आर्थिक व सामाजिक समस्याओं के बारे में पता चला जिनका वर्णन इस प्रकार से है।

(i) इस गाँव की गलियाँ बहुत ही तंग है जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। और अपने वाहन आसानी से नहीं निकाल पाते।

(ii) यहाँ की सभी गलियों में कूड़ा-करकट इधर-उधर बिखरा होता है। साफ-सफाई सुचारु रूप से नहीं होती। जिससे बिमारियाँ फैलती है।

(iii) यहाँ संयुक्त परिवारों की संख्या घटती जा रही है। जिसके कारण सुरक्षा संबंधी समस्या बढ़ती जा रही है।

(iv) अनपढ़ता में सुधार है। किंतु अभी भी काफी सुधार करने बाकी है।

(v) जनसंख्या बढ़ रही है। जिसके कारण उपलब्ध सुविधाएँ कम होती प्रतीत हो रही है।

(vi) अत्याधिक लड़कियों की पढ़ाई स्कूल तक ही सीमित है। संकीर्ण सोच वाले माता-पिता लड़कियों को बाहर भेजने से डरते हैं। लड़कियाँ स्कूली जीवन से आधिक नहीं पढ़ पाती।

(vii) कृषि प्रधान गाँव होने के कारण परिवार कृषि पर आधारित होते हैं।

(viii) यातायात की सुविधा नहीं है।

(ix) गाँव में डाकघर भी नहीं है।

Page No. ________

Topic No. ________ Date ________

X गाँव में अस्तपताल की सुविधा भी नहीं है। जिससे लोगों को बहुत असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

(XI) गाँव में बैंक सुविधा भी नहीं है।

(XII) यहाँ पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं है और और न ही कोई सरकारी वाटर सप्लाई है जिससे स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके।

(XIII) बिजली सप्लाई की भी बहुत कम सुविधाएँ है सभी घरों में बिजली कनेक्शन (Connection) तो है। परन्तु बिजली दिन में केवल 2 घण्टे आती है। रात में कुछ ही समय के लिए आती है।

(XIV) गाँव के बीच सड़क निकाली है परन्तु कोई Speed braker नहीं है। कोई जगह ऐसी है जहाँ Speed braker होना चाहिए जैसे यहाँ स्कूल है। स्कूलों व College के सामने भी कोई Speed braker नहीं था। गाँव में माध्यमिक वह उच्च स्कूल भी नहीं है।

(XV) यहां पर एटीयम (A.T.M) की सुविधा भी नहीं है। जो कि एक अन्य समस्या है।

(XVI) लड़कियों की शादी कम उम्र में ही कर दी जाती है।

Suggestion for the problems of Socio-Economic Survey

कोई भी समस्या होती है तब उसका समाधान समाज पर व सरकार से मिलकर करना चाहिए हमारे द्वारा प्रस्तावित सुझाव इस प्रकार है।

Page No.

Topic No. Date

ग्रामीण भारत की मुख्य सामाजिक - आर्थिक विशेषताएँ

ग्रामीण क्षेत्र का सर्वेक्षण करने पर ज्ञात होता है कि भारत में ग्रामीण क्षेत्र के अधिकार भाग असंगठित कार्यों में संलग्न है। तथ्यों के आधार पर हम कह सकते हैं कि —

(i) 40% ग्रामीण जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे है।

(ii) 51% ग्रामीण परिवार मजदूरी से जुड़े है।

(iii) लगभग 26% जीवन यापन की वस्तुओं के लिए खेती - बाड़ी पर निर्भर है।

(iv) 2.37 करोड़ ग्रामीणों के घर बच्चे है जो कि घास - फूस या लकड़ी के द्वारा निर्मित है।

(v) ग्रामीण जनसंख्या का 1/4 भाग आशिक्षित है।

(vi) ग्रामीण जनसंख्या के 1/3 भाग में लोगों के पास ~~जमीन~~ जमीन भी नहीं है।

(vii) 21.5% जनसंख्या अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखते है।

(viii) 10 घरों में से केवल 2 घर ही ऐसे है जिनके घर में यातायात के साधन अपलब्ध है।

(x) 78% ग्रामीण परिवार